

almost 80 per cent. So, I would like to believe that the global financial crisis that has caused such a problem for Indian exports has reduced to an extent. In the meantime, of course, it is our constant endeavour to explore new markets and also to develop new markets for our products, be it Africa or be it Europe or be it America. This is a constant on-going process and the results are there before us to see. Regarding negative growth, Sir, I can assure the hon. Member that except for very few areas where we are having some problems, by and large most of the areas are, excluding software, are beginning to show a positive export growth rate this year.

\*103. *[The questioner (Shri Barjinder Singh Hamdard and Shri Kapil Sibal) were absent for answer vide page 33 infra].*

#### Schemes for Welfare of Primitive Tribes

\*104. SHRI BHAGABAN MAJHI: Will the Minister of TRIBAL AFFAIRS be pleased to state:

- (a) whether Government have sponsored some schemes for the uplift and welfare of primitive tribes;
- (b) if so, the States where various primitive tribes are living;
- (c) the schemes sponsored by Government for the welfare of these tribes;
- (d) whether any such scheme has been sponsored by the Central Government for the welfare of Bonda tribes who are living in Malkangiri and Jeypore hills in Orissa; and
- (e) if so, the details thereof alongwith the steps taken for the uplift of these tribes during the last three years?

THE MINISTER OF TRIBAL AFFAIRS (SHRI JUAL ORAM): (a) Yes, Sir.

(b) A Statement is laid on the table of House. (see below)

(c) Besides various Central and Centrally sponsored schemes for the development of Scheduled Tribes which are also available to Primitive Tribal Groups, a specific Central Sector scheme for the Development of Primitive Tribal Groups has been launched from the year 1998-99.

(d) The Central Sector scheme of development of Primitive Tribal Groups is also available for Bonda Tribe.

(e) No proposal under the above scheme has been received from the State Government.

**Statement**

*List of Approved Primitive Tribal Groups*

- |                   |   |
|-------------------|---|
| 1. Andhra Pradesh | 1. Bodo Gadaba                                |
|                   | 2. Bondo Poraja                               |
|                   | 3. Chenchu                                    |
|                   | 4. Dongaria Khonds                            |
|                   | 5. Gutob Gadaba                               |
|                   | 6. Khond Poroja                               |
|                   | 7. Kolam                                      |
|                   | 8. Kondareddis                                |
|                   | 9. Konda Savaras                              |
|                   | 10. Kuttiya Kondhs                            |
|                   | 11. Parangiperja                              |
|                   | 12. Thoti                                     |
| 2. Bihar          | 13. Asur                                      |
|                   | 14. Birhor                                    |
|                   | 15. Birjia                                    |
|                   | 16. Hill Kharia                               |
|                   | 17. Korwa                                     |
|                   | 18. Mal Pharia                                |
|                   | 19. Paharias                                  |
|                   | 20. Sauria Pahariya                           |
|                   | 21. Savar                                     |
| 3. Gujarat        | 22. Kathodi                                   |
|                   | 23. Kotwalia                                  |
|                   | 24. Padhar                                    |
|                   | 25. Siddi                                     |
|                   | 26. Kolgha                                    |
| 4. Karnataka      | 27. Jenu Kuruba                               |
|                   | 28. Koraga                                    |
| 5. Kerala         | 29. Cholanaikayan (A section of Kattunayakan) |

- |                   |                        |
|-------------------|------------------------|
|                   | 30. Kadar              |
|                   | 31. Kattunayakan       |
|                   | 32. Kurumbas           |
|                   | 33. Koraga             |
| 6. Madhya Pradesh | 34. Abujh Maria        |
|                   | 35. Baiga              |
|                   | 36. Bhaira             |
|                   | 37. Hill Korwa         |
|                   | 38. Kamar              |
|                   | 39. Sahariya           |
|                   | 40. Birhor             |
| 7. Maharashtra    | 41. Katkaria (Kathodi) |
|                   | 42. Kolam              |
|                   | 43. Maria Gond         |
| 8. Manipur        | 44. Maram Naga         |
| 9 Orissa          | 45. Birhor             |
|                   | 46. Bondo              |
|                   | 47. Didayi             |
|                   | 48. Dongria-Khond      |
|                   | 49. Juang              |
|                   | 50. Kharia             |
|                   | 51. Kutia Khond        |
|                   | 52. Lanjia Saura       |
|                   | 53. Lodha              |
|                   | 54. Mankirdia          |
|                   | 55. Paudi Bhuyan       |
|                   | 56. Saura              |
|                   | 57. Chuktia Bhunjia    |
| 10. Rajasthan     | 58. Seharias           |
| 11. Tamil Nadu    | 59. Kattu Naickans     |
|                   | 60. Kotas              |
|                   | 61. Kurumbas           |
|                   | 62. Irulas             |
|                   | 63. Paniyans           |
|                   | 64. Todas              |
| 12. Tripura       | 65. Reangs             |

- |                                  |                      |
|----------------------------------|----------------------|
| 13. Uttar Pradesh                | 66. Buxas            |
|                                  | 67. Rajis            |
| 14. West Bengal                  | 68. Birhor           |
|                                  | 69. Lodhas           |
|                                  | 70. Totos            |
| 15. Andaman &<br>Nicobar Islands | 71. Great Andamanese |
|                                  | 72. Jarawas          |
|                                  | 73. Onges            |
|                                  | 74. Sentenelese      |
|                                  | 75. Shompens         |

श्री भगवान माझी: सभापति महोदय, स्कीमस फॉर वेलफेयर आफ प्रिमिटिव ट्राइब्स' के बारे में मैंने जो क्वेश्चन पूछा था, मंत्री महोदय ने उसमें 75 ट्राइब्स को प्रिमिटिव ट्राइब्स का नाम दे दिया है, लेकिन जहां तक मैंने देखा है वे ट्राइब्स आज भी बिलो पावर्टी लाइन हैं। अभी तक जितनी भी सैटली स्पोर्ट्स स्कीम्स उनको अपलिफ्ट करने के लिए चलाई जा रही हैं, उनमें भी वे आगे नहीं बढ़ पा रहे हैं, वे पीछे हैं।

तो मैं मंत्री महोदय से और सरकार से आपके माध्यम से जानना चाहता हूँ कि क्या सरकार उनको ऊपर उठाने के लिए कुछ नई स्कीम्स बनाने के बारे में सोच रही है?

श्री जुएल उराम: सर, अभी तक सरकार ने नई स्कीम सोची नहीं है, लेकिन ये जो 75 प्रिमिटिव ट्राइब्स ग्रुप्स हैं उनका एजुकेशनली, इकनॉमिकली एवम् सोशियली उत्थान हो, इसके लिए केन्द्रीय सरकार की तरफ से स्कीम्स चालू हैं। केस-टू-केस बेसिस पर बीच-बीच में उनको रिव्यू करके इन ट्राइब्स ग्रुप्स के लिए जो-जो काम करने चाहिए, उस बारे में सरकार की तरफ से काम चालू है।

श्री भगवान माझी: मान्यवर, उड़ीसा का सबसे बेकवर्ड डिस्ट्रिक्ट कोरापुट डिस्ट्रिक्ट है, वहां बोंडा हिल है और वहां बोंडा ट्राइब्स रहते हैं। अभी भी वहां औरतें 60 परसेंट कपड़ा नहीं पहनती हैं नंगी रहती हैं। उनके लिए सरकार की ओर से बोंडा ट्राइबल डेवलपमेंट प्रोजेक्ट चलाया जा रहा था, उससे भी कुछ फायदा नहीं हुआ। इसलिए मैं मंत्री महोदय से जानना चाहता हूँ कि क्या बोंडा ट्राइब्स के लिए और कुछ नई स्कीम चलाने की व्यवस्था है और अंडमान निकोबार में झरुआ ट्राइब्स है, वे लोग अभी भी, पुरुष और महिला सब, नंगे रहते हैं, उनके लिए कोई व्यवस्था नहीं है, तो उनके लिए सरकार की ओर से क्या व्यवस्था की जाएगी, यह मैं सरकार से जानना चाहता हूँ?

श्री जुएल उराम: सर, बोंडा ट्राइब के उत्थान के लिए बोंडा डेवलपमेंट एजेंसी, बी०डी०ए० कार्यक्रम लागू किया गया है। उसमें अभी तक सरकार की ओर से ईयर-वाईज़ एक्सपेंडिचर

1996-97 में 4,51,238 रुपए, 1997-98 में 3,17,813 रुपए और 1998-99 में 5,59,223 रुपए रखा गया है। महोदय, 5,000 बोंडा ट्राइब्स हैं। उनके लिए स्पेशल स्कूल है, रेजिडेंशियल स्कूल है जिसमें उनको पढ़ाया जाता है।

सभापति महोदय, प्रिमिटिव ट्राइब्स की स्पेशल प्रॉब्लम है उनका मोटिवेशन करना। उनका जो रहन-सहन है, उससे ऊपर आकर वे आधुनिक रहन-सहन अपनाएं, यह परिवर्तन लाने में टाइम लगता है। फिर भी ये 5,000 बोंडा ट्राइब्स जो हैं उनमें काफी इंप्रूवमेंट हुआ है। अब उनमें आधे से अधिक लोग पढ़ना-लिखना जानते हैं, कपड़े पहनने में उनकी रुचि बढ़ी है। पहले वे दवा नहीं खाते थे, अब उनकी दवा खाने में रुचि बढ़ी है।

जहां तक अंडमान-निकोबार की झरुआ ट्राइब, प्रिमिटिव ट्राइब ग्रुप का सवाल है, हमारे पास जो इन्फॉर्मेशन है उसके मुताबिक उन लोगों के लिए प्लांटेशन प्रोग्राम चलाए गए हैं और हैल्थ प्रोग्राम्स में भी उनके लिए व्यवस्था की गई है। उनकी अवेयरनेस बढ़ाने के लिए कि साफ-सफाई से कैसे रहें, नंगे न रहकर कपड़े कैसे पहनें, इसके लिए उनको मोटिवेट करने के लिए सरकार की ओर से प्रयास किया जा रहा है। इस साल स्पेशल सेंट्रल असिस्टेंस से हैल्थ कैंप करके, उनको मोटिवेट करके उनके रहन-सहन में परिवर्तन लाने के लिए कोशिश की जाएगी, यह लेक्ष्य रखा गया है।

**SHRI H. HANUMANTHAPPA:** Sir, there are certain things to be done for the development of the primitive people. Even for motivation, they require the people among them, who are educated, who can understand their language, and who can converse with them in their own language. Unfortunately, in your own recruitment rules, even for the teachers in the primitive areas, you have fixed certain norms, certain educational qualifications and, as a result, you do not find people among them. There should be some relaxation. Even under the P.D.S., the contractors are not taking foodgrains to those areas because you are not paying them the transportation charges. Foodgrains are given, but they are not being paid the transportation charges. They are asking the Government for transportation charges, but you are not paying them. As a result of this, some of these benefits are not reaching them at all. So, the existing rules are to be relaxed in certain cases and special efforts have to be made in conversing with them and in converting them. My point is, whether the Government has taken note of these things the primitive people themselves, who are educated, should be engaged in motivation work and with regard to the P.D.S., relaxation has to be given and

additional expenses are to be born by the Government to see that foodgrains, kerosene, etc., are reached to those areas.

**श्री जुएल उराम:** सर, प्रिमिटिव ट्राइब को डेवलप करने के लिए माइक्रो प्रोजेक्ट एप्रोच है। उसके लिए उनकी एक सोसायटी रजिस्टर करके उन्हीं के ग्रुप में से कुछ लोगों को इन्वॉल्व करके यह काम चालू किया जाता है। जहां तक अधिकारियों का सवाल है यह बात देखने में आई है कि वे शिक्षा की दृष्टि से पिछड़े हुए हैं। अभी हम लोगों ने इसकी स्टडी नहीं की है। आगे चलकर स्टडी करके माननीय सदस्य जो सुझाव दे रहे हैं उनको मदेनज़र रखते हुए हम इस काम को करेंगे।

**श्री संघ प्रिय गौतम:** सभापति महोदय, मुझे एक संसदीय समिति के माध्यम से बोंडा पहाड़ियों में जाने का मौका मिला था। यह सही है कि भारत सरकार और प्रदेश सरकार की ओर से वहां पर विद्यालय की स्थापना की गई है और विकास केन्द्र भी स्थापित किया गया है पर मैंने यह देखा है कि वहां स्त्रियां ही नहीं बल्कि पुरुष भी नंगे ही रहते हैं और वे जरा सा कपड़ा ऐसा कि बैठकर अपने गुप्तांग को छिपा सकें, पहनते हैं और बाकी कोई कपड़ा नहीं पहनते। अगर कोई अजनबी वहां पर उनकी तरफ जाए तो उसे वे मारने के लिए दौड़ते हैं, यह एक अलग बात है। मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से निवेदन करना चाहता हूं कि वहां पर जंगलात की प्राकृतिक देन है और वहां फल-फूल और सब्जियां काफी मात्रा में पैदा होती हैं। निकट के एक नगर में बहंगियों पर लादकर ये नंगे बोंडा आदिवासी इन्हें बेचने के लिए जाते हैं। क्योंकि उनको उसका मूल्य न के बराबर दिया जाता है। तो मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि क्या सरकार कोई क्रय केन्द्र उनके द्वारा जंगलों से इकट्ठा किए हुए पदार्थों के लिए वहां पर स्थापित करेगी और उचित मूल्य में क्रय करके उनको उचित दाम मुहैया कराएगी?

**श्री जुएल उराम:** सर, इसके लिए हमारे पास आलरेडी ट्राइफेड है, ट्राइबल का जो प्रोडक्ट है, उसको परचेज़ करके उसकी मार्केटिंग करने के लिए। यह स्पेसिफिक प्रश्न जो माननीय सदस्य ने उठाया है, मैं उसकी जांच कराऊंगा कि इसमें क्या हो रहा है और उसमें स्पेशल परचेज़ करने की व्यवस्था कराऊंगा।

**कुमारी फ्रिंडा टोपनो:** चेयरमैन सर, बोंडा हिल्स में एक बार मुझे भी जाने का मौका मिला था जब मैं वहां सर्विस करती थी। वहां रेज़िडेंशियल स्कूल भी खुला था जो एम०ई० स्टैंडर्ड तक था। वहां एक अफसर थे जो उनके साथ बहुत दिनों तक रहे थे, उनकी भाषा भी वे सीख गए थे और घर-घर जाकर वे काम करते थे। उस समय वह स्कूल एम०ई० स्टैंडर्ड तक था तो मैं यह जानना चाहती हूं कि क्या वह अफसर अभी हैं या नहीं क्योंकि वह वहां के लोगों के साथ बहुत अच्छे तरीके से रहते थे। दूसरे मैं यह जानना चाहती हूं कि वह स्कूल अब हाईस्कूल हो गया है या नहीं? और कितने स्टूडेंट्स उसमें से पास करके निकले हैं?

श्री जुएल उरमि: सर, यह इनफार्मेशन इमीडिएटली तो उपलब्ध नहीं है लेकिन बाद में मैं माननीय सदस्या को यह इनफार्मेशन दे दूंगा।

### FDI in tobacco sector

\*105. SHRI J. CHITHARANJAN:  
SHRI GAYA SINGH:

Will the Minister of COMMERCE AND INDUSTRY be pleased to state:

(a) whether Government are taking a fresh look on the question of allowing 100 percent FDI in tobacco sector;

(b) if so, the details thereof; and

(c) how many 100 percent FDIs have been allowed, so far, in the tobacco sector and which are they?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF  
COMMERCE AND INDUSTRY (DR. RAMAN): (a) to (c) A  
Statement is laid on the Table of the House.

(a) to (c) The existing guidelines for consideration of Foreign Direct Investment (FDI) proposals by Foreign Investment Promotion Board (FIPB) do not stipulate any ceiling on the extent of foreign equity participation, *inter alia*, in sectors pertaining to consumer non durables, which include cigarettes. However, as there has been no precedent of 100% FDI approval in cigarettes so far, it was felt necessary to clarify the position *vide* Press Note No. 11 (1998 series) dated 27th August 1998, that proposals for manufacture of cigarettes with FDI up to 100% shall be considered by FIPB subject to the provisions relating to compulsory licensing under the Industries (Development & Regulation) Act, 1951. This has been done with a view to lending greater transparency in decision making.

There has been no subsequent change in the guidelines relating to foreign investment in tobacco and cigarette industry.

---

†The question was actually asked on the floor of the House by Shri J. Chitaranjan.